One Day National Seminar

15-12-2017 (Friday)

On the Topic –

(Need,Important and Impact of ICT in Education)

Seminar Report Submitted

Organized by

T. N. AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE

HARIGAON, ARA, BHOJPUR, BIHAR

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए सुसज्जित मंच

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु सभागार में उपस्थित लोग

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 के0 पी0 सिंह

(पूर्व कुलपति, बी0पी0 मंडल विष्वविद्यालय मधेपुरा,बिहार)

उदघाटन सत्र् के दौरान सभागार में उपस्थित प्रतिनिधिगण

मुख्य अतिथि को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए सचिव महोदय

सेमिनार प्रतिवेदन

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय,हरिगाँव

(वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालंय द्वारा सम्बधता प्राप्त)

द्वारा आयोजित

एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय

“शिक्षा के क्षेत्र मेंआईसीटी की आवश्यकता महत्व और प्रभाव”

आमुख

आज का युग सूचना और संचार तकनीकी का युग है। वैज्ञानिक खोजों तथा आविष्कार ने जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित किया है। सूचना और संचार तकनीकी से शिक्षा का क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में रेडियों, टेलीविजन, मोबाईल, स्मार्टफोन, डिजिटल डायरी, इंसेट शैक्षिक उपग्रह, आदि उपकरणों का शिक्षा के अंग में उपयोग बढ़ा है। शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुलभ, आकर्षक, मनोंरजक और प्रभावशाली बनाने में इन उपकरणों की विशेष भूमिका है। ज्ञान का निर्माण संचयन, संथानान्तरण एवं विकास में सूचना और संचार तकनीकी के विभिन्न साधनों की उपयोगिता महत्वपूर्ण है।

वर्तमान युग में जीवन के प्रत्येक पक्ष वैज्ञानिक खोजों तथा आविष्कारों से प्रभावित है। शिक्षाशास्त्र का कोई भी अंग चाहे वह विधियों प्रविधियों का हो, शिक्षण प्रक्रिया का हो या फिर शोध का हो बिना तकनीकी के अपूर्ण रहता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों के विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाने में सूचना एवं संचार तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी एंव सरल बनाने में सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन उपयोगी सिद्ध हुए है। ज्ञान संरक्षण, संबोधन एवं प्रसरण के लिए सूचना और संचार तकनीकी आज के युग में आवश्यक और महत्वपूर्ण हैं। सूचना और संचार तकनीकी के विभिन्न साधनों के प्रभावशाली उपयोग ने जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित किया है। शिक्षार्थियों में रूची बढ़ाना, अभिप्रेरित करना अधिगम और प्रशिक्षण देना, अनुकूल शैक्षिक वातावरण विभिन्न शक्तियों का विकास आदि के लिए सूचना और संचार तकनीकी महत्वपूर्ण एंव उपयुक्त है।

विज्ञान तकनीकी का अनमोल उपहार कम्प्यूटर के रूप में विकसित हुआ है। इसने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित किया है। कम्प्यूटर से जुडे यंत्रों का कार्यात्मक ज्ञान संगणक के उपयोग में महत्वपूर्ण है। संगणक के विविध इनपुट, आउटपुट उपकरणों की सहायता से शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण हुआ है। संगणक के विभिन्न सॉफ्टवेयर की सहायता से शिक्षण प्रक्रिया को सुलभ सुचारू बनाया जाता हैं संगणक द्वारा सीखने की प्रक्रिया में संगणक सह–अनुदेशन उपयुक्त है। शब्दों और प्रतीकों की विविधता संगणक की महान शक्ति है जो शैक्षिक प्रयास का केन्द्र है। ई–लर्निंग और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षण अधिक रोचक और आसान हो रहा है। इंटरनेट तथा वर्ल्डवाइड वेब के माध्यम से शिक्षक अपने विद्यार्थियों तक पहूँचा सकते है और उनको घर बैठे पढ़ा सकते है इंटरनेट मानव ज्ञान का एक उच्चतम संग्रह है। आई0 सी0 टी0 डिजिटल पुस्तकालय जैसे डिजिटल संसाधनों के सृजन की अनुमति देता है जहाँ विद्यार्थी, शिक्षक और व्यावसायी शोध सामग्री तथा

पाठ्यक्रम तक पहूँच सकते है। आई0सी0टी0 शैक्षणिक संस्था के दिन– प्रतिदिन के प्रशासनिक गतिविधियों को आसान और पारदर्शी तरीके से नियंत्रित करने तथा समन्वय निगरानी के लिए अवसर प्रदान करता है। पंजीयन नामांकन पाठ्यक्रम आवंटन उपस्थिति की निगरानी समय सारिणी/वर्ग अनुसूची, प्रवेश के लिए आवेदन छात्रों के दाखिले में जाँच इस तरह की जानकारी ई मीडिया द्वारा पाई जा सकती है।

21 वीं सदी में हमारे पास अगर नवीन उपलब्धियाँ है तो नवीन चुनौतियाँ भी, विसंगतियों के बहुतेरे हल है तो विसंगतियाँ भी। यदि समस्याओं से निपटने के लिए हम तैयार है तो जटिल समस्याँए भी है। मनुष्य का मस्तिष्क जितना सोच सकता है वह उसकी पराकाष्ठा है। कम्पयूटर, इंटरनेट, ई–मेल ई–कामर्स, ई एजुकेश्न, मोबाइल और भी न जाने कितनी प्रणालियाँ है। जिन्होने मनुष्य के जीवन को न केवल सुगम बनाया है अपितु श्रम शक्ति को समुचित और अधिकतम उपयोग का मार्ग प्रशस्त किया है।

आई0सी0टी0 के सन्दर्भ में एक खोजपूर्ण प्रयास की आवश्यकता है। प्रेरणा शक्ति को प्रोत्साहित करने का यह सही समय है क्योंकि आशा है कि आई0सी0टी0 के परिपालन से जीवन के हर क्षेत्र में प्रबल उन्नति को प्राप्त किया जा सकता है।

डा0 एम0 एल0 राजू
संयोजक राष्ट्रीय सेमिनार
सह–प्राचार्य
तारकेश्वर नारायण अग्रवाल
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
हरिगाँव

विषय सूची

क्रं0 सं	शीर्षक	पृष्ट संख्या
	राष्ट्रीय सेमिनार कार्यक्रम की रूपरेखा	
	सत्रों का विवरण	
1	आमुख	
2	उदघाटन सत्र	
3	सुकृति पत्रिका का विमोचन	
4	तकनीकी सत्रों का विवरण	
5	धन्यवाद ज्ञापन सहित सेमिनार सर्टिफिकेट का विवरण	
6	निष्कर्ष और सुझाव	
7	वक्ताओं का परिचय फोटों सहित	
8	प्रतिभागियायों की सूची	
9	आयोजक समिति	
10	सेमिनार ब्राउचर और उपविषय	

उद्घाटन सत्र
स्थानः– मल्टीपरपस हॉल
दिनांक–15 दिसम्बर 2017 (समय 10:00 से 11:00 बजे)

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते हुए पूर्व कुलपति प्रो0 के0 पी0 सिहं, पूर्व कुलपति वी0 एन0 मंडल विश्वविद्यिलाय मधेपुरा प्रो0 वी0 सी0 तिवारी सिक्किम सेंट्रल विश्वविद्यालय डा0 राकेश रंजन विभागाध्यक्ष सिक्किम विश्वविद्यालय, श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल सचिव तारकेश्वर नारयण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव, डा0 एम0 एल0 राजू प्राचार्य तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव, डा0 राम जन्म प्रसाद प्राचार्य भुवन मालती शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी, डा0 जे0 एल0 सिंह, सहायक प्राध्यापक तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय हरिगाँव, डा0 महेन्द्र राय प्राचार्य , डा0 अशर्फी मेहता, समन्यवक, तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव।

उद्घाटन सत्र के बाद महाविद्यालय के सचिव श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल द्वारा मुख्य अतिथी प्रो0 के0 पी0 सिंह (पूर्व कुलपति) को सम्मानित करते हुए।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के सचिव महोदय द्वारा सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो0 वी0 सी0 तिवारी और डा0 राकेश रंजन को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेटकर स्वागत करते हुए।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के सचिव महोदय द्वारा डा0 एम0 एल0 राजू, प्राचार्य तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय और इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह प्रबंध समिति सदस्य तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेटकर स्वागत करते हुए।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के सचिव महोदय द्वारा डा0 अशर्फी मेहता प्रबंध समिति समन्वयक सदस्य तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय और डा0 महेन्द्र राय विभागाध्यक्ष अंग्रजी विभाग एस0 एस0 बचरी कॉलेज पीरो को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेटकर स्वागत करते हुए।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के सचिव महोदय द्वारा श्री प्रदीप मिश्रा प्राचार्य आदर्श मध्य विद्यालय कौरा और श्री रामाकांत चौबे को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेटकर स्वागत करते हुए।

सुकृति पत्रिका का विमोचन

आज 15 दिसम्बर 2017 को राष्ट्रीय सेमिनार के शुभ अवसर पर वार्षिक पत्रिका सुकृति के दूसरे अंक का लोकार्पण का कार्यक्रम भी रखा गया। इस अवसर पर प्रो0 के0 पी0 सिंह पूर्व कुलपति वी0 एंन0 मन्डल विश्वविद्यालय के प्रो0 वी0 सी0 तिवारी, और एवं डा0 राकेश कुमार रंजन सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल सचिव तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय हरिगाँव, डा0 एम0 एल0 राजू प्राचार्य टी0एन0ए0 टी0टी0सी0 हरिगाँव, डा0 रामजनम प्रसाद प्रार्चाय बी0 एम0 टी0 टी0 सी0 मोतिहारी आदि उपस्थित थे।

इस अपसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 एम0 एल0राजू ने कहा कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष वार्षिक पत्रिका सुकृति के दूसरे अंक हम सबके सामने है। इस पत्रिका में इस महाविद्यालय परिवार के सभी लोगों का विचार अंकित होता है चाहे वह कविता के रूप में हो प्रेरक कहानी के रूप में हो या फिर लेख के रूप में इस पत्रिका में प्राचार्य सहायक प्राध्यापक शिक्षकेत्तर कर्मचारी और B.Ed एवं D.El.Ed प्रशिक्षु आदि सभी का विचार अंकित है। इस पत्रिका के माध्यम से अपनी सृजनात्मकता को अभिव्यक्त करने का सुनहरा अवसर विद्यालय परिवार को मिलता रहता है। प्रशिक्षु एक से बढ़कर एक स्वलिखित कविता और रोचक कहानी समय समय पर महाविद्यालय को प्रस्तुत करते है और उसे इस पत्रिका को मूर्त रूप दिलाने में इस महाविद्यालय के सचिव श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल साहब का बड़ा योगदान रहता है। वर्ष भर इसके लिए प्रयास करते रहते है जिससे कि पत्रिका वर्ष के अन्त तक प्रकाशित हो सके। पूर्व वर्षो की ‘‘स्मृति पत्रिका’’ का पुस्तकालय में पढने से प्रशिक्षुओं में भी पत्रिका के प्रति लगन बढ़ती है और उनके भी मन में पत्रिका के लिए कुछ लिखने का भाव जागृत होता है। प्रशिक्षुओं का वह भाव आपके सामने प्रस्तुत है। इस पत्रिका में जहाँ रोचक और प्रेरणादायक कहानी का समावेश है वही मन के भाव की अभिव्यक्ति के रूप में कविता भी है साथ ही साथ शिक्षा और समाज के मार्गदर्शक शिक्षक वर्ग की तरफ से शैक्षिक और सामाजिक दायित्वबोध को प्रदर्शित करने वाले लेख भी है इस पत्रिका के अंतिम रूप देने में सहायता प्राध्यापकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की अहम भूमिका का मै ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र राज्य और समाज के विकास में शिक्षा शिक्षार्थी और शिक्षकों की अति महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस भूमिका की सजगता से प्रशिक्षुओं को एक दिशा मिलती है। कौशल विकास के साथ–साथ इस संस्थान के सजग सचेत शिक्षकों के द्वारा जो गतिविधियाँ कराये जाती है वह महाविद्यालय की प्रगति की ओर संकेत है अतः वे बधाई के पात्र है।

वार्षिक पत्रिका सुकृति का विमोचन करते हुए पूर्व कुलपति प्रो0 के0 पी0 सिंह, बी0 एन0 मंडल विश्वविद्यलाय मधेपुरा, प्रो0 वी0 सी0 तिवारी, डॉ राकेश कुमार रंजन, श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल सचिव टी0 एन0ए0 टी0 टी0 सी0 हरिगाँव, डॉ0 एम एल राजु प्राचार्य टी0 एन0 ए0 टी0 टी0 सी0, डॉ रामजनम राम प्राचार्य बी0 एम0 टी0 टी0 सी0 मोतिहारी।

TNATTC

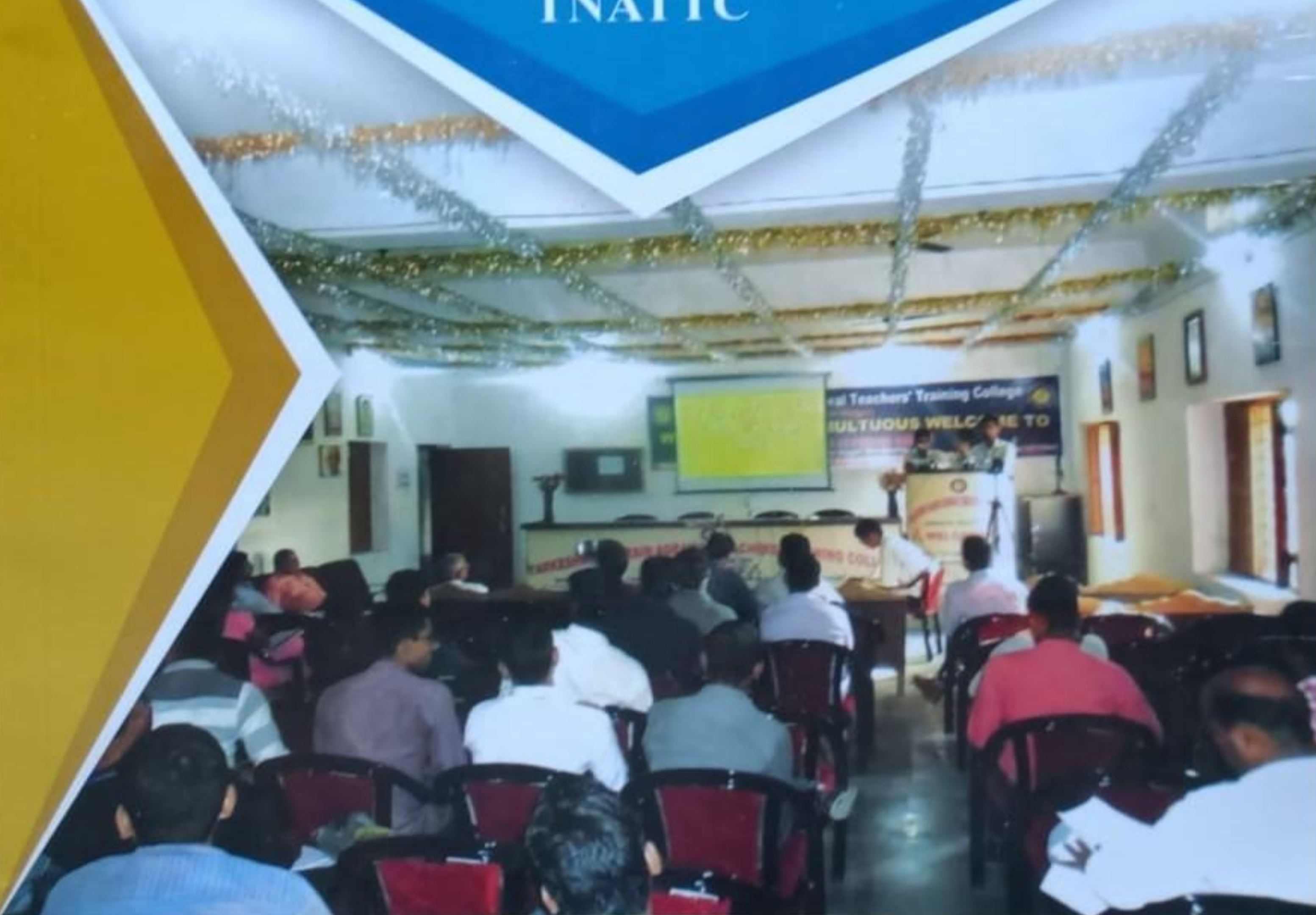

Sukriti

Year 2017

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS TRAINING COLLEGE

Harigaon, P.O. - Saneya Brahatta, Bhojpur, Bihar-802162

Sukriti

Year 2017

GROUP PHOTOGRAPHS OF THE MANAGEMENT, PRINCIPAL, LECTURERS, STAFF AND STUDENTS

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS TRAINING COLLEGE

Harigaon, P.O. - Saneya Brahatta, Bhojpur, Bihar-802162

(Recognised by ERC, NCTE Bhubaneswar, Affiliated to Veer Kunwar Singh University, Ara)

NCTE CODE-APEO1012 for B.Ed and Code No-ERCAPP2431 for D.E.Ed (Affiliated to B.S.E.B.,Patna)

(Sponsored by T.N.Agrawal Eduational & Social Welfare Foundation)

तकनीकी सत्रों का विवरण

15 दिसम्बर 2017

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा के संदर्भ में शिक्षा में आई सी टी की आवश्यकता महत्व और प्रभाव विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त दो तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया है। सेमिनार का उद्घाटन प्रो0 के0 पी0 सिंह पूर्व कुलपति बी0 एन0 मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो0 वी सी तिवारी तथा डा0 राकेश कुमार रंजन उपस्थित थे साथ ही महाविद्यालय के सचिव श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 एम0 एल0 राजू, भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 रामजनम प्रसाद वी0 एस0 एस0 बचरी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 महेन्द्र राय, इंजीनियर श्री धीरेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र के बीजभाषण प्रो0 के0 पी0 सिंह ने दिया। तत्पश्चात् प्रो0 वी0 सी0 तिवारी डा0 राकेश कुमार रंजन, सचिव श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल इंजीनियर श्री धीरेन्द्र सिंह, डा0 महेन्द्र राय, डा0 रामजनम प्रसाद, डा0 एम0 एल0 राजू, भोजपुर डायट के प्राचार्य, अमीरचन्द्र हाई स्कूल के प्राचार्य श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, श्री अशरफी मेहता, श्री रामाकान्त चौबे आदि ने अपने विचारों को रखा।

सेमिनार का विज भाषण देते हुए बी0 एन0 मंडल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 के0 पी0 सिंह ने कहा कि सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का शिक्षा में महत्वपूर्ण उपयोगिता –प्रजातान्त्रिक राष्ट्रीयता के लिए शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा सामाजिक हित में नागरिकों को दो तरीको से शिक्षित किया जाता है :–

1 औपचारिक शिक्षा 2 अनौपचारिक शिक्षा

आधुनिक अनौपचारिक शिक्षा में दूरदर्शन, रेडियों, Intenet, Setelite etc शसक्त माध्यम बनता जा रहा है। शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षिक समस्या पर दृष्टिपात किया जाता है। शैक्षिक उपग्रह के माध्यम से विज्ञान सम्बन्धी सामग्री, मनोरंजन सम्बन्धी सामग्री, स्वास्थ्य सम्बन्धी सामग्री, रचनात्मक कार्यक्रम सम्बन्धी सामग्री समस्या सम्बन्धी सामग्री तथा अन्य सामाजिक क्षेत्र सम्बन्धी सामग्री सम्मिलित किया जाता है जिसके परिणाम स्परूप सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का एक महत्वपूर्ण भूमिका देखने को मिल रहा है।

दूसरे मुख्य वक्ता के रूप में सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो0 वी0सी0 तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में समाज निर्माण में विज्ञान एवं तकनीकी अपना महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाव से आज के व्यक्तियों का दृष्टिकोण वैज्ञानिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सार्थकता प्राप्त करने के लिए अपना योगदान दे रहा है। शिक्षा क्षेत्र में Online कार्यक्रम की मनोवृतियों में सकरात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। जिसके परिणामस्परूप शिक्षा में Robotic Teaching in Online का सफल प्रयास छात्र समाज को आकर्षित कर रहा है। इसके अतिरिक्त Kalam Center for Technology NASA भी शैक्षिक तकनीकी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है। आज प्रौद्यौगिक विज्ञान के परिणाम स्परूप मनाव समाज प्रगति कर चन्द्रयान, मंगलयान जैसे महत्वपूर्ण विज्ञान का सुपरिणाम प्राप्त हो चुका है। अतः किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए वहाँ की सूचना एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान का विकासित होना जरूरी है।

तकनीकी सत्र – प्रथम

First Technical session

Venu:-Multipurpose Hall

Date :- 15.12.2020

Time :- 11:00 AM to 01:00 PM

Chairperson – Prof. V.C Tiwari

Keynote speaker –Dr. Rakesh kumar Ranjan

Reporteur – Dr. R. K. Srivastva

Cordinator – Sri Niraj Tiwari

An one day National Seminar

On the Topic

"Need, Importance and Impact Of ICT in Education."

On 15th December, 2017

Organized by

T.N.Agrawal Teachers' Training College Harigaon Ara

Paper Presentation Session-1

Key note address by Dr. Rakesh Ranjan
(Sikkim University)

Chairman of the session- Prof. V.C. Tiwari
(Sikkim University)

Repporteur - Dr. R.K Srivastav.
(Asst. Prof. T.N.A.T.T.C Harigaon, Ara)

Participants list

Session -1 (11:30am- 1:00 pm)

(1) Dr. Dr. J.L. Singh (Asst. Prof. T.N.A.Teacher's Training college Harigaon, Ara)
(2) Dr. Mahendra Roy(Head, Deptt of English B.S.S. College, Bachari-Piro)
(3) Dr. Seema Choudhary (Asst. Prof. Bihar College of Education Ara.)
(4) Ms.Megha Paul (Student of Sikkim University)
(5) Sri. Mithilesh Sukla (Asst. Prof. B.M.T.T.C, Motihari)
(6) Priyanka Borpujari (Student of Sikkim University)
(7) Smt. P.M. Jena (Asst. Prof. T.N.A.Teacher's Training college Harigaon, Ara)
(8) Sri Vijay Kumar (Asst. Prof. T.N.A.Teacher's Training college Harigaon, Ara)
(9) Mr. Kuldeep Dutta (Student of Sikkim University.)
(10) Shri Chandra Prakash (Asst. Prof. B.M.T.T.C, Motihari)
(11) Dr. Babita Kumari (Asst. Prof. T.N.A.Teacher's Training College Harigaon, Ara)
(12) Smt. A. Sinha (Asst. Prof. T.N.A.Teacher's Training College Harigaon, Ara)
(13) Ms. Kriti Rai (Student of Sikkim University.)
(14) Sri Ajit Kumar Singh (Asst. Prof. T.N.A.Teacher's Training college Harigaon, Ara)
(15) Ms. Prachi Khare (Student of Sikkim University)
(16) Mr. Praveen Babu (Asst. Prof. . B.M.T.T.C, Motihari)

14/12/17
Principal
T.N. Agrawal Teachers' Training College
Harigaon, Ara

शिक्षा में सूचना और संचार तकनीकी (ICT) की आवश्यकता, महत्व और प्रभाव विषय पर तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय हरिगाँव आरा द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन महाविद्यालय के मल्टीपरपस हॉल में हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रो0 वी0 सी0 तिवारी ने किया, कीनोट स्पीकर के रूप में सिक्किम विश्वविद्यालय के ही डा0 राकेश कुमार रंजन एवं रिपोटियर के रूप में डा0 राजेश कुमार श्रीवास्त एवं कॉडीनेटर के रूप में श्री नीरज तिवारी ने अपनी भूमिका अदा की। इस सत्र में कुल 16 प्रतिभागियों ने अपने आलेख प्रस्तुत किये जिसमें कुछ प्रमुख विचार प्रस्तुत किये जा रहे है–

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डा0 जे0 एल0 सिंह ने अपने विषय – **ICT for Quality of Education in India** पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की सूचना तकनीकी का मुख्य सम्बन्ध सूचना से होता है एवं सम्प्रेषण के अन्तर्गत प्रेषण तथा प्रेषित करने की किया सम्मिलित है। अतः सम्प्रेषण का मुख्य तात्पर्य सूचनाएँ अर्थात् किसी भाव अथवा विचारो को दूसरे तक पहूँचाने तक सीमित है। वैज्ञानिक शोध तथा प्रयोग के एवं अन्वेषण पर आधारित उपकरण की आवश्यकता से शिक्षा के क्षेत्र में व्यवहार तकनीकी, शैक्षिक तकनीकी, शिक्षण सिद्धान्तो, प्रतिमान इत्यादि प्रयोग होने लगा है, शिक्षा में तकनीकी शब्द अपेक्षाकृत व्यापक है इसमें तीन उपागमों का अध्ययन किया जाता है–

1 हार्डवेयर उपागम

2 साफ्टवेयर उपागम

3 अनुदेशनात्मक प्रारूप

अतः ये स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी, वर्तमान उपलब्ध ज्ञान को क्रमबद्ध तरीके से विभिन्न शैक्षिक विकास के लिए प्रयुक्त होने वाली प्रयास है जिसके परिणामस्परूप प्रशिक्षण के दौरान शैक्षिक उपयोगिता, गुणात्मक अभिवृद्धि गुणात्मक

अधिगम अनुभव, जीवन पर्यन्त अधिगम अनुभव में बनाये रखना, गुणात्मक शिक्षण प्रक्रिया, विकसित शैक्षिक प्रबंधन एवं नियोजन, सामुदायिक सहभागिता को विकास को शामिल किया जाता है। जन जन तक पहुँचाने के लिए अकाशवाणी कार्यक्रम, आकाशवाणी वार्तालाप दूरदर्शन अभासी कक्षा कक्ष आभासी विश्वविद्यालय की परिकल्पना में सूचना और सम्प्रेण तकनीकी अहम भूमिका निभा रहा है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सचिव श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने अपने विषय – **Import Once of ICT in Emerging Society of India** पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की 20 वीं सदी में विज्ञान और तकनीकि का विकास व्यापक रूप में हुआ है, आज इसका प्रयोग जीवन के हर क्षेत्र में हो रहा है। जैसे औद्योगिक तकनीकि कृषि, तकनीकि इत्यादि। वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तीव्र गति से जो तकनीकि का विकास हो रहा है व छात्रों के जीवन शैली को सुगम कर रहा है। उभरते हुए भारतीय समाज के लिए यह एक वरदान है। इसके माध्यम से भारतीयों ने बेहतर जीवन शैली, सरकारी कर्मचारी नियुक्ति, व्यक्तिगत आर्थिक स्थिति का सुदृढीकरण और बेहतर नागरिकतापूर्ण समाज का गठन संभव है।

बी0 एस0 एस0 बचरी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के विभागााध्यक्ष डा0 महेन्द्र राय ने अपने विषय **ICT Integration in Teacher Education** पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति तथा विश्व में आयी औद्योगिक परिणाम के स्परूप तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के विकास के कारण शिक्षाविदों शास्त्रीय ने शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी के प्रभाव को सम्मलित किया है। शैक्षिक तकनीकी – शिक्षा जगत के लिए एक नया प्रत्यय है इसकी विचारधारा पिछली दशक से सामने आयी है। शैक्षिक तकनीकी वर्तमान समय के उपलब्ध ज्ञान को समबंधित तरीके से विभिन्न शैक्षिक समस्याओं पर प्रयुक्त करने की प्रक्रिया है। जो मानव जीवन के सम्पूर्ण अधिगम प्रक्रिया को सुधार कने के लिए प्रयुक्त होती है यह ज्ञान की वह शाखा है जो विभिन्न तकनिकि, प्रकृतिक विज्ञान व्यावहारिक विज्ञान तथा अन्य सभी तकनीकीयों को प्रयोग करके शैक्षिक प्रक्रिया को सशक्त बनाती है।

बिहार कॉलेज ऑफ एजुकेशन आरा के सहायक प्राध्यापिका सीमा चौधरी ने अपने विषय **Importance Needs and Impact of ICT in Education** पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज का युग तकनीकी का युग है। तकनीकी आज जीवन में प्रत्येक दिशा को प्रभावित कर रही है। शैक्षिक तकनीकी निरन्तर व्यापक होती जा रही है। परन्तु समान्य रूप से देखा जाय तो उभरते हुए समाज में इसका साकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रभाव परिलक्षित हो रहा है। यहाँ पर सूचना और सम्प्रेषण तकनीकि के सकारात्मक प्रभाव के माध्यम से देखा जाय तोः–

- ➢ अनुसंधान कार्य में सहायक
- ➢ कक्षा मे अध्यापन कार्य प्रभावी
- ➢ जनकलयान शिक्षा का प्रचार प्रसार संभव हो रहा हैं।
- ➢ वही पर इसका नकारात्मक प्रभाव से भी अछुता नहीं है।

जैसे – सामाजिक उत्पीडन

- बाल अपराध
- व्यभिचार आदि बढ़ रहा है।

भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के सहायक प्राध्यापक श्री मिथलेश कुमार शुक्ला नें अपने विषय 'सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव' पर शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान भारतीय समाज को ICT के माध्यम से जो सूचना प्राप्त होती है, उसमे ज्ञान को सार्थक और यथार्थ बनाने के लिए सूचना को ज्ञान से जोड़ने पर बल देना होगा। वर्तमान भारतीय समाज में जो ज्ञान संचित रहा है वह प्राचीन समाज से प्राप्त सुचना पर आधारित है। यदि पश्चात्य द्वारा दी गयी सूचना हमारी प्राथमिक पुस्तको में गलत तरीको से संग्रहीत हो गई तो वह ज्ञान की संवर्धित सिद्धांत पर खरी नही उतरती। अतः उदीयमान् भारतीय समाज में ICT द्वारा ऐसी सूचना संचय हो जो ज्ञान प्रदायनी हो। और 21 वीं सदी के भारतीय समाज के अनुरूप होनी चाहिए। वर्तमान

भारतीय समाज को उदीयमान बनाने में ICT की महती भूमिका रही है। पहले हम अंगूठा लगाकर हस्ताक्षर करते थे और अब अंगूठा लगाकर अपनी सारी सूचना को ही आधार से लिंक कर रहे है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक श्रीमती पी0 एम0 जेना ने अपने विषय – **Need Importance and Impact of ICT in Education** पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की तीव्र गति से बढ़ती हुई मानवीय ज्ञान को संचित करने व्यवस्थित करने, नियंत्रित करने एवं सम्प्रेषित करने के लिए विकसित सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का ज्ञान एवं उपयोग की आवश्यकता है सूचना से अभिप्राय उन आकडा से है जिसका प्रयोग किसी निष्कर्ष तक पहुँचाने मे मदद करता है। सूचनाये एकत्रित करने का कार्य हम विभिन्न माध्यम से करते है। जैसे मुद्रित संचार साधन, प्रत्येक जानकरी देने वाला साधन और दृष्य श्रव्य साधन वास्तव में उभरते हुए सूचना और प्रौद्योगिकी तकनीकी के मांग को देखते हुए भारत जैसी एक विकासशील राष्ट के हित के लिए सरकार अपनी स्तर से विभिन्न प्रकार की टास्क कोर्स सूचना के विकास के लिए अपनाये है । जैसे – विद्यार्थी कम्प्यूटर कौशल, विद्यालय कम्प्यूटर कौशल आदि। हमारे पूर्व राष्ट्रपति डा0 ए0 पी0 जे अब्दुल कलाम द्वारा विजन 2020 का भी विकास इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही किया गया। शिक्षा नीरस शिक्षण पद्धति में कुछ नवाचार का प्रयोग करके छात्रों को अधिगम उन्मुखी करने का सतत् प्रयास जारी है जिसके तहत शिक्षा योग में एक वैकल्पिक परिवर्तन अवश्य ही व्याखित है।

भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के सहायक प्राध्यापक श्री चन्द्र प्रकाश नें अपने विषय Impact of ICT in Teacher Education आपके द्वारा शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के महत्व और प्रभाव पर अपनी बात रखते हुए कहा गया कि आज का युग विज्ञान और तकनीकी का युग है। वैज्ञानिक आविस्कारों ने मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष में प्रभावित किया है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा0 बबिता कुमारी ने अपने विषय – 'समकालीन समाज में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिक का महत्व' विषय अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की आज प्रशासन से लेकर ग्राम स्तरों के विद्यालयों तक सूचना का महत्व है। सूचना और संचार तकनीकी से शिक्षा के पाठ्यक्रम के प्रत्येक प्रश्न पर अपना आधिपत्य जमा लिया है। इसके प्रयोग से शिक्षकों व विद्यार्थियों की ग्रहण क्षमता, प्रेषण क्षमता व योग्यताओं में सार्थक व रचनात्मक ढंग से सुधार आया है। शिक्षक तथा छात्र सूचनाओं के संयुक्त उपयोग करने व शैक्षिक संदर्भ में उसकी व्याख्या करने पर बल देने लगें है। ICT ने कक्षा में और कक्षा से बाहर शिक्षण अनुदेशन में प्रयुक्त होने वाले परम्परागत साधनों के अतिरिक्त आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग विस्तारित किया है। आज ICT की वजह से पुरानी मान्यताएँ व सीमाये टुट रही है। दुरस्थ शिक्षा में भी इसके उपयोग की बात आते रहीं।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापिका श्रीमती अनुभा सिन्हा ने अपने विषय – Need Importance and Impact of ICT in Education पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की शिक्षा का प्रसार के लिए शैक्षिक तकनीकी का आवश्यकता, प्रसार एवं प्रबंधन आज की परिवर्तित युग की आवश्यकता तथा अनिवार्य मान है। शैक्षिक तकनीकि का क्षेत्र व्यापक है इसके अंतर्गत शिक्षा की प्रक्रिया में सम्मिलित की जाने वाली सामग्री का निर्माण किया जा सकता है शैक्षिक तकनीकि का कार्य़क्षेत्रः–

युक्तियों/तकनीकी का चयन करना

दृश्यश्रव्य सामग्री का चयन करना

जनसर्म्पक माध्यमों को प्रयोग करना

पृष्ठपोषण में सहायता देना इत्यादि सम्मिलित है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री अजीत कुमार सिंह ने अपने विषय –'सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के संकेन्द्रण में अध्यापक की कक्षा कक्ष में भूमिका' पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की वर्तमान वैश्विक परिवेश में किसी भी अच्छे व अधतन शिक्षक और शिक्षार्थी के लिए ICT के उपयोग में व्यावहारिक निपुणता अनिवार्य हो गई है। कम्प्यूटर को आधुनिक युग का जादुई यंत्र कहा जा सकता है। कम्प्यूटर ने शिक्षा जगत की तस्वीर बदल दी। सीखने की प्रक्रिया में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के बहुविधि उपयोग का लक्ष्य शिक्षा गुणवता में सुधार लाना है। ICT के तमाम उपकरणों ने कक्षागत शिक्षण की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराकर शिक्षा को शिक्षार्थियों के द्वार तक पहूँचा दिया है।

भुवन मालती शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के सहायक प्राध्यापक श्री प्रवीण बाबू ने शिक्षा में ICT के ज्ञान को बढ़ाने का सबसे प्रभावशाली तरीका हो सकता है। शिक्षा में ICT का उपयोग शिक्षा की प्रभावशीलता को बढाते हुए अध्यापन और अध्ययन की गुणवता बढ़ाता है। विद्यालयों में ICT की शुरूआत के बाद से छात्रों को पारंपरिक कक्षा के वातावरण की तुलना में प्रौद्यौगिकी के वातावरण में पढ़ना ज्यादा स्फूर्तिदायक और रूचिकर लगता है। राष्ट्रीय शिक्षा मिशन ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने तत्वाधान में वर्चुअल लैब ओपन सोर्स और एक्सल टूलों वर्चुअल कॉफ्रेस, टॉम टूंटीचर आदि कार्यकर्मों तथा नॉन इन्वोसिव बल्ड ग्लूगोमीटर का सृजन किया है। शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा में अवसरों की समानता सार्वभौमिकण आदि को सार्थक बनाया जा सकता है।

तकनीकी सत्र – द्वितीय

Second Technical session

Venu:-Multipurpose Hall

Date :- 15.12.2020

Time :- 02:10 AM to 03:10 PM

Chairperson – Dr. Rakesh kumar Ranjan

Keynote speaker –Dr. Mahendra Rai

Reporteur – Dr. RamJanam Prasad

Cordinator – Smt. P. M. Jena

An one day National Seminar

On the Topic

"Need, Important and Impact of ICT in Education."

On 15th December, 2017

Organized by

T.N.Agrawal Teachers' Training College Harigaon Ara

Paper Presentation Session-2

Chairman of the Session-Dr. Rakesh Ranjan

(Sikkim University)

Repporteur -Dr. Ram Janam Prasad

(Principal B.M.T.T.C. Motihari)

Participants list

Session -2(2:10pm- 3:10 pm)

(1) Dr. R.K. Srivastav. (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon Ara)
(2) Ms. Vandana Varun (Student of Sikkim University)
(3) Sri Manoj Kumar(Asst. Prof. S.P Singh college Motihari
(4) Ms. Deepika Dutta (Student of Sikkim University)
(5) Smt. Dimpal Kumari (Student of T.N.A.T.T.C, Harigaon
(6) Sri.Manendar Pratap Singh(Asst. Prof.B.M.T.T.C. Motihari)
(7) Dr. Manoj Upadhaya (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(8) Sri Umesh Chouhan (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(9) Sri Amit Kumar (Asst. Prof. B.M.T.T.C. Motihari)
(10) Sri Navin Kumar Chaubey (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(11) Sri Niraj Tiwari (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(12) Smt Bindi Singh (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(13) Sri Abhisek Kumar singh(Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(14) Sri Pawnesh Nandan (Asst. Prof. T.N.A.T.T.C, Harigaon)
(15) Sri Shakti Kumar (Student of B.M.T.T.C. Motihari)
(16) Dr. M.L.Raju (Principal, T.N.A.T.T.C, Harigaon)

14/12/17

Principal
T N Agrawal Teachers' Training College
Harigaon, Ara

सेमिनार के द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के मल्टीपरपस हॉल में किया गया। इस सत्र के अध्यक्ष सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डा0 राकेश कुमार रंजन, की नोट स्पीकर डा0 महेन्द्र राय विभागाध्यक्ष वी0 एस0 एस0 कॉलेज बचरी तथा रिर्पोटियर डा0 रामजनम प्रसाद प्राचार्य भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी थे। इस सत्र में कुल 20 प्रतिभागियों ने अपने आलेख प्रस्तुत किए उनमें से कुछ आलेख एवं विचार प्रस्तुत किये जा रहे है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा0 आर के श्रीवास्तव ने अपने विषय – Role of Teacher in Class-Room with focus on ICT पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की किसी भी देश की प्रगति इस देश की ज्ञानात्मक विकास के साथ जूडा रहता है। भारत जैसी एक विकासोन्मुखी देश के लिए समय की आवश्यकतानुसार तकनीकी प्रगति खासकर शैक्षिक तकनीकी प्रगति एक अहम भूमिका अदा करती है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को बेहतरीन शैक्षिक उद्देश्य प्राप्ति के लिए शैक्षिक तकनीकी के माध्यम से अनुदेशनात्मक उद्देश्य के निर्धारण करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। उसके अनुसार अभिक्रमित अनुदेशन, अधिगम अनुदेशन की भूमिका निहित है। अनुदेशन तकनीकी शिक्षण सामग्री को अधिक महत्व प्रदान करता है और अध्यापक को क्रियाशील रखता है। अनुदेशन तकनीकी मुख्य रूप से शिक्षा मनोविज्ञान पर आधारित होकर ज्ञानात्मक पथ के विकास पर महत्व डालती है, जिसके परिणामस्वरूप अनुदेशन का उद्देश्य उद्देयपूर्ण एवं प्रभावशाली बन जाता है। आधुनिक शिक्षा के यंत्र में मोबाइल शिक्षा, Blog, Email, Video, Conference, online learning etc इस उद्देश्य के प्राप्ति के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के सहायक प्राध्यापक श्री मनोज कुमार नें अपने विषय **Impact of ICT is Teacher Education** पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की 21वीं सदी प्रद्यौगिकी विज्ञान की युग है। शिक्षा की सार्वभैमीकरण तथा उसे जन–जन तक पहुँचाने हेतु वर्तमान में अनेक प्रयास किये जा रहे है, तथा शिक्षा में

गुणात्मक सुधार हेतु विभिन्न तकनीकी का सहारा लिया जा रहा है। शैक्षिक तकनीकी एक व्यापक सम्प्रादय है। इसके माध्यम से व्यवहारिक तकनीकी, अनुदेशातमक तकनीक तथा उत्तम शैक्षिक प्रशिक्षण इत्यादि सम्मलित है। निःसंदेह शैक्षिक तकनीकी के अन्तगर्त उपकरण जैसे – प्रोजेकटर, टेपरिकॉडर, टिचिंग मशीन, टेलिवीजन इत्यादि, छात्रों का मानसिक व्यवहार परिवर्तन के लिए एक मनोबल सिद्धांत को अपना कर बेहतर परिणाम प्रदान करता है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा0 मनोज कुमार उपाध्याय ने अपने विषय – Role of information Technology in Vocational Educatio पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की विद्यालय में कम्पयूटर शिक्षा विषय निम्न बिन्दुओं के माध्यम से अपनी बात रखी –

– कम्प्यूटर द्वारा एक से अधिक शिक्षण

– विद्यालय में कम्प्यूटर आधारित शिक्षण प्रतिमान

– कम्प्यूटर और वर्तमान विद्यालयी शिक्षण पर उसका प्रभाव

– विद्यालयी शिक्षा के शिक्षण और शोध में कम्प्यूटर का योगदान

– विद्यालयी शिक्षण की सहायक सामग्री में कम्प्यूटर का प्रयोग

–विद्यालयी शिक्षा स्तर में गुणात्मकता के लिए कम्प्यूटर का प्रयोग

उपरोक्त बिंदुओं के माध्यम से आपने विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा के जरूरतो पर बल दिया।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री नवीन कुमार चौबे ने अपने शोध आलेख 'सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का समाज एवं युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्तमान परिदृश्य में अध्ययन' पर कहा कि सूचना और संचार प्रद्यौगिकी के कारण विश्व के लोगों के बीच की दूरिया कम हुई। बदलते भौतिक परिदृश्यों में जहाँ विकास की प्रतिस्पर्धा में चल रही है वहीं सूचना और प्रसारण तकनीकी के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को प्रभावित किया है। वही वर्तमान युवा पीढ़ी सूचना और तकनीकी के क्षेत्र में अपने आप को ज्ञान कौशल तथा विज्ञान और तकनीकी से जोड़ने का प्रयास किया है। आज इटरनेट की मदद से हम विश्व के अनमोल साहित्य को अमरता प्रदान

कर सकते हैं आज ICT ही है कि जिससे शोध की गुणवता और कम श्रम और धन रख कर शोध कार्य को सकरात्मक स्थान प्रदान कर सकते है। भारतीय कृषि एवं अनुसंधान परिषद ने कृषि के अंग में तकनीकी को बढ़ावा देकर किसानों को आधुनिक एंव उन्नत किस्म की कृषि के लिए प्रोत्साहित किया है जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हुई है। भारत परम्परागत देश से उपर उठकर आधुनिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए विश्व के देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खड़ा है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री नीरज तिवारी ने अपने विषय The Use and Perception of ICT in Education among students and Teacher, A case study of Shahabad Region of Bihar, India पर अपने शोध आलेख के माध्यम से शाहाबाद रिजन के चार जिलों भोजपुर, रोहतास, बक्सर और कैमूर के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शिक्षक और छात्रों के ICT के उपयोग और अनुभूति के विषय में ग्राफ के माध्यम से अपनी बातों को रखा।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापिका बिन्दी कुमारी द्वारो अपने विषय शिक्षा में सूचना और संचार प्रद्यौगिकी का प्रभाव विषय पर संगोष्ठी में ICT के विभिन्न उपकरणों के माध्यम से अपनी बात रखी जिसको टेलीविजन सी0डी0, डी0बी0डी0, इन्टरनेट, कम्प्यूटर आदि का जिक्र किया। आपने कहा कि मानव जीवन और शिक्षा में कम्प्यूटर का प्रयोग वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग की दिशा की चरम सीमा है। आज कम्प्यूटर ने शिक्षा के यंत्र के क्षेत्र में सामाजिक क्रांति ला दी है। इसका समाज के विकास पर वही प्रभाव पडेगा जो छापखाने और मुदित पुस्तकों का जन–जीवन और शिक्षा सम्प्रेषण व संरचना पर पड़ा था। आधुनिक शैक्षिक तकनीकी किसी न किसी माध्यम से शिक्षक व छात्र को अपना लाभ पहुँचा रही हैं। मानव जीवन का कोई भी पहलू या क्षेत्र हो ICT एक बहुत शक्तिशाली साधन तथा कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के कारण आज शिक्षा में नई क्रांति आई है।

भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के छात्र डा0 शक्ति कुमार ने शिक्षा कें क्षेत्र में ICT की आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि ICT

आज लोगो के जीवन का अविभाजय तथा स्वीकृत अंग बन गया है। कृषि संस्थान शासन प्रबंधन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में ICT के विकास का प्रभाव है। शैक्षिक अवसरों को विस्तृत करने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास एवं शिक्षा की गुणवता बढ़ाने के लिए ICT एक प्रभावशाली साधन है। सूचना प्रौद्योगिकी ने पूरी धरती को एक गाँव के रूप में तबदिल कर दिया है। उसने विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर एक वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है। यह नवीन अर्थव्यवस्था अधिकाधिक रूप से सूचना के रचनात्मक व्यवस्था व वितरण पर निर्भर है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 एम0 एल0 राजू ने अपने विषय The Impact of ICT in Teacher Education पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की बदलते हुए समय की माँग के अनुसार सूचना तथा सम्प्रेषण तकनीकी का शिक्षण तथा प्रशिक्षण संस्थान के लिए आवश्यकता को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। क्योकि आधुनिक एवं सम्प्रेषण तकनीक ने हमारी दैनिक जीवन की विभिन्न क्षेत्र को प्रभावित करता जा रहा है, जिसमें ज्ञान अधारित समाज का निर्माण छात्रों के व्यक्तिगत विकास शिक्षण में सहायता, परामर्श में सहायता छात्रकेन्द्रित में सहायता, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के स्वरूप में परिवर्तन तथा शैक्षिक शोध कार्य में सहायता इत्यादि सहज रूप से समाहित है। निःसंदेह शैक्षिक उद्देश्य के प्राप्ति के लिए आधुनिक जीवन शैली में शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एंव सम्प्रेषण तकनीकी प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सहायता दे रहा है।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री आर के विश्वकर्मा जी ने अपने शोध विषय आधुनिक तकनीकी (आभासी कक्षा) का शिक्षा में प्रयोग पर अपनी बात रखते हुए कहा कि –ICT ने शिक्षा को सरल सहज और रोचक बना दिया है। इसी के द्वारा विश्व की सम्पूर्ण जानकारी संसार के प्रत्येक मानवीय स्थानों तक पहुँचा दिया है। आभासी कक्षा के संदर्भ में उन्होने कहा कि आभासी कक्षा एक ऐसा वेब प्लेटफार्म है जिसमें छात्र घर बैठे ही विश्व के किसी भी कोने में लाईव ट्रेनिग में अपना योगदान दे सकता है। आभासी कक्षा से छात्र किसी भी ज्ञानदाता की कक्षा में अपने प्रश्नों के उत्तर पूछ सकता

है तथा किसी भी प्रकरण पर वाद–विवाद कर सकता है। आभासी कक्षा सामान्य कक्षा का ही प्रतिरूप है, जिसमें दूरस्थ स्थानों के छात्रों को एक सामान्य कक्षा में होने का आभास व अनुभव होता है।

भुवन मालती शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी की सहायक प्राध्यापिका कुमकुम देवी ने शिक्षा में ICT का महत्व एवं प्रमुख विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि इसका महत्व शिक्षक छात्र के लिए तो है ही साथ ही साथ यह समाज के लिए भी उतना ही महत्व पूर्ण है। ICT का प्रभाव शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पर पड़ता है। जहाँ यह शिक्षक की कार्यकुशलता को बढ़ाता है वहीं इसके प्रयोग दुर दराज के गाँवों तक विद्यार्थियों को यह जोड़ता है। पल भर में विश्व के किसी कोने से सूचना प्राप्त करना आज आसान सा हो गया है जिसका श्रेय ICT को जाता है। सीमित साधनों वाले देश में जनशिक्षण के रूप में सूचना और संचार तकनीकी बहुत सहायक होती है। ICT के माध्यम से गुणवतापूर्ण शिक्षण कराकर शिक्षा के मूल उद्देश्यों को प्रभावपूर्ण तरीके से किया जा सकता है।

भुवन मालती शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी की सहायक प्राध्यापक श्री अंजनी कुमार गुप्ता आपने ICT के महत्व और प्रभाव पर विचार रखते हुए कहा कि ICT हमारे जीवन के विभिन्न अंगों यथा शिक्षा, व्यापार, बैकिंग चिकित्सा आदि को प्रभावित किया है। सूचना और संचार प्रद्यौगिकी के माध्यम से छात्र अपनी क्षमता आवश्यकता और गति के अनुसार स्व अनुदेशन प्राप्त कर सकते है। ICT शिक्षकों को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में भी सहायता करता है। आज ICT के माध्यम से विश्वसनीय और वैध ऑकडों के साथ–साथ अति अल्प समय में प्राप्त हो जाते है। शिक्षण को रोचक बनाने में दृश्य–श्रव्य सामग्री का उपयोग करने का नारा बलवती होता जा रहा है। इसके तहत ई–लर्निग स्मार्ट क्लासेज डिजिटल उपकरण आदि आज शिक्षा की कुँजी है।

भुवन मालती शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के सहायक प्राध्यापक श्री मनोज कुमार तिवारी ने अपने शिक्षा में सूचना एवं संचार या सम्प्रेषण तकनीकी की आवश्यकता महत्व एवं

प्रभाव पर अपने शीघ्र पत्र के माध्यम से कहा कि – आज ICT ने दुनिया को एक वैश्विक गाँव (Global village) के रूप में बदल दिया है। शिक्षा के अंग में पुरानी मान्यताए तथा सीमाएँ टूट रही है। वर्तमान युग में ICT शिक्षा के अंग के लिए रीढ़ की हड्डी साबित हो रही है। शिक्षा में जनसंचार माध्यम के प्रयोग की विस्तार के साथ अनुशंसा सर्वप्रथम भारतीय शिक्षा आयोग ने सन् 1964–66 में की। आयोग के अनुसार हमारे देश के अधिकांश विद्यालयों प्रमुखतया प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में किसी भी प्रकार की आधारभूत शिक्षण सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाता है। आयोग अनुशंसा करता है कि ICT का प्रयोग बडें पैमाने पर करना चाहिए। IGNOU में ICT का उपयोग व्यापक स्तर पर होता है।

भुवन मालती शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी की सहायक प्राधयापिक खुशबु कुमारी ने अपने शोध पक्ष के माध्यम से बताया कि – ICT ने पाठयक्रम के प्रत्येक पक्ष पर अपना आधिपत्य जमा लिया है। उसके प्रयोग से शिक्षकों और विद्यार्थियो की ग्रहण क्षमता, प्रेषण क्षमता व अधिगम क्षमता में रचनात्मकता में साथ सुधार आया है। शिक्षक तथा छात्र सूचनाओं के संयुक्त उपयोग करने व शैक्षिक सन्दर्भ में उसकी व्याख्या करने पर बल देने लगे है। ICT ने जहाँ एक तरफ पाठ्यक्रम शिक्षक विधि राष्ट्रीय और सामाजिक सारोकार के परिपेक्ष्य में आमूलचूल परिवर्तन ला दिया है।

बिहार कॉलेज आफ एजुकेशन के सहायक प्राध्यापिका श्रीमती चांदनी कुमारी ने अपने विषय पर सूचना एवं सचार तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत करते हुए बताया की आज के वैज्ञानिक युग में तकनीकी और प्रौद्योगिकी विकास के साथ –साथ ज्ञान का ही विस्फोट हुआ है। तीव्रगति से बढ़ती हुई ज्ञान के स्त्रोंत को संचित एवं व्यवस्थित करने के लिए सम्प्रेषित करने के लिए विकसित सूचना और सम्प्रेषण तकनीकी का ज्ञान एव उपयोगिता महसूस हो रही है। इनमें सभी समाजपयोगि कार्यो के लिए सूचना और सम्प्रेषण तकनीकि के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्रों में कम्प्यूटर, इंटरनेट, टेलीफोन ईमेल, दूरदर्शन पर भी ब्रांड कास्टिग इत्यादि का महत्वपूर्ण योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए महाविद्यालय के सचिव श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल

राष्ट्रगान के साथ एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

सेमिनार सर्टिफिकेट वितरण करते हूए मुख्य एवं विशिष्ट अतिथिगण

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
Organised By

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
Organised By

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
Organised By

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
Organised By
HARIGAON, ARA BHOJPUR
ON
Code No. - APO1012

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
Organised By
COLLEGE, HARIGAON, ARA BHOJPUR,
ON
Code No. - APO1012
of December, 2017

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
NCT
APO1012
mber, 2017
HARIGAON BHOJ UR, ARA

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
NCT
APO1012
mber, 2017
HARIGAON BHOJ UR, ARA

निष्कर्ष एवं सुझाव

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय हरिगाँव, आरा द्वारा ''शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की आवश्यकता महत्व और प्रभाव'' विषय पर दिनांक 15.12.2017 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न हुआ। गणमान्य अतिथियो, देश के विभिन्न हिस्सों से आये हुए शिक्षाविद एवं प्रतिभागियों के सहयोग से सेमिनार अपने उददेश्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है। बौद्धिक विचार विमर्श से कई महत्वपूर्ण बाते उभर कर सामने आयी।

इस सेमिनार से यह बात सामने आयी कि केवल ICT के अस्तित्व में होने से शिक्षकों की पढ़ाने की पद्धति नहीं बदलेगी जबकि ICT के माध्यम से शिक्षकों को अपने शिक्षण पद्धति बदलते तथा अधिक सक्षमता प्राप्त करने में मदद कर सकती है बशर्ते आवश्यक स्थितियाँ उपलब्ध करा दी जाय। शिक्षकों के शैक्षणिक पद्धतियों और तार्किकता उनके द्वारा ICT के उपयोग को प्रभावित करती है और शिक्षक द्वारा ICT के उपयोग को प्रकृति छात्र की उपलब्धि को प्रभावित करती है।

ICT को शिक्षको द्वारा अधिक शिक्षार्थी केन्द्रित ज्ञानार्जन हेतु वातावरण बनाने में मदद करने वाले उपकरणों के रूप में देखा जाता है। आईसीटी को बदलाव में सहयोग प्रदान करने तथा प्रचलित शैक्षणिक प्रथाओं के सहयोग, संवर्धन में प्रयुक्त किया जा सकता है। ICT का शिक्षकों द्वारा शिक्षण पद्धतियों में उपयोग अनिवार्य रूप से पारस्परिक तरीको की शिक्षण पद्धतियों में मामूली संवर्धन से लेकर उनके शिक्षण के दृष्टिकोण में अधिक मौलिक परिवर्तन करने के लिए किया जा सकता है। ICT का उपयोग प्रचलित शैक्षणिक पद्धतियों के सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद के तरीके को सुदृढ़ करने के लिए किया जा सकता है।

ICT के उपयोग के अधिक जानकार शिक्षक कम्प्यूटर सहायता अनुदेशन का उपयोग अन्य शिक्षकों की तुलना में कम करते हुए परन्तु कुल मिलाकर वे ICT का अधिक उपयोग करते है।

शिक्षक और सीखने में सहायता के लिए ICT की शुरूआत और उपयोग शिक्षकों के लिए समय खर्च करने वाला होता है दोनों स्थितियों में जबकि वे शिक्षण प्रथाओं और रणनीतियों में परिवर्तन कर रहे हो और जबकि ऐसे रणनीतियों का नियमित रूप से उपयोग किया जाता है।

सेमिनार के पत्र आलेख से यह बात सामने आयी है कि –

- ❖ सरकारी और प्राइवेट स्कूल के विद्यालयों के विद्यार्थियो में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग में अन्तर पाया जाता है।
- ❖ सरकारी विद्यालयों की अपेक्षा प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थी में सूचना और संचार प्राद्योगिकी के उपयोग अधिक पाया गया।
- ❖ सामुदायिक छात्रों को पढ़ाने के बीच जागरूकता की कमी देखी गई
- ❖ शिक्षक के साथ–साथ छात्रों ने ICT और अधिगम के लिए एक कैटलीस्ट के रूप में ICT की मानयता दी।
- ❖ छात्र अपने स्मार्टफोन और लैपटॉप का शिक्षकों की तुलना में अधिक उपयोग करते है।
- ❖ विशेष रूप से सरकारी स्कूलों के शिक्षक ICT उपकरण का छात्रों से अधिक जानकारी नहीं रखते।
- ❖ ICT के सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए और छात्रों को ICT में उच्च कौशल के लिए बड़े पैमाने पर ICT डिजाइन सीखने के माहौल में शिक्षकों के जरूरत है जिसे पूरा करना आवश्यक है।
- ❖ ICT के समुचित उपयोग हेतु बेहतर संचार नेटवर्क की जरूरत है।
- ❖ शिक्षण प्रणाली के सभी स्तरों पर सभी हितधारकों के बीच ICT के शैक्षणिक उपयोग के लिए उपयुक्त स्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

EQUIPPED WITH ICT AND TEACH WITH VISION

वक्ताओं का परिचय फोटो सहित

Prof. K. P. Singh

Prof V.C. Tiwari

Dr. R. K. Ranjan

Sri Krishan Murari Agrawal

Er. Dhriendra Singh

Dr. Mahendra Roy

Dr. M. L. Raju (Principal)

Dr. A. Mehata

Dr. RamJanam Prasad

Sri RamaKant Chaubey

Sri Surendra Prasad Singh

Dr. J. L. Singh

Dr. R. K. Shrivastav

Smt. Anubha Sinha

Dr. M. K. Upadhyay

Sri Ajit Kumar Singh

Sri Navin Kumar Chaubey

Dr. Babita Kumari

Sri Manoj Kumar

Sri Mithelsh Shukla

सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय से आये शोधार्थी छात्र एवं छात्राएँ

TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
T.N.A.T.T. COLLEGE, HARIGAON, ARA BHOJPUR, BIHAR
NCTE Code No. - APO1012
HARIGAON, BHOJPUR, ARA
WELCOMES
Anita Krishna

WELCOMES THE PARTICIPANTS
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
T.N.A.T.T. COLLEGE, HARIGAON, ARA BHOJPUR, BIHAR
NCTE Code No. - APO1012
WELCOMES
Anita Krishna

Introduction
Online Learning Software
Sustained and intensive learning system
Wider understanding of topics
New societies requires new skills
Not bounded by classroom and time
TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE
HARIGAON, BHOJPUR, BIHAR
WELCOMES THE PARTICIPANTS
IN
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
ON
Organised By
T.N.A.T.T. COLLEGE, HARIGAON, ARA BHOJPUR, BIHAR
ON
NCTE Code No. - APO1012
The 15th of December, 2017
Sri Krishnu Murari Agrawal
Secretary
TEACHERS' TRAINING
HARIGAON, BHOJPUR, ARA
WELCOMES

WELCOMES THE PARTICIPANTS
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
T.N.A.T.T. COLLEGE, HARIGAON, ARA BHOJPUR, BIHAR
NCTE Code No. - APO1012
The 15th of December, 2017
HARIGAON, BHOJPUR, ARA
WELCOMES
Anita Krishna

प्रतिभागियों की सुची

Sr. no	Particitants Name	Name of Topic
1	Dr. J. L. Singh	ICT for Quality of Education in India
2	Sri Krishna Murary Agrawal	Import Once of ICT in Emerging Society of India
3	Dr. Mahendra Rai	ICT Integration in Teaching Education
4	Seema Chaudhari	Importance Needs and Impact of ICT in Education
5	Megha Pall	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
6	Sri Mithlesh Kumar Sukla	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
7	Priyanka Boar Pujara	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
8	Smt. P. M. Jena	Need Importance and Impact of ICT in Education
9	Sri Chandra Prakash	Impact of ICT in Teacher Education
10	Dr. Babita Kumari	समकालिन समाज में सूचना एवं संचार प्रौद्यौगिक का महत्व
11	Smt. Anubha Sinha	Need Importance and Impact of ICT in Education
12	Kriti Rai	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
13	Sri Ajit Kumar Singh	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के संकेन्द्रण में अध्यापक की कक्षा कक्ष में भूमिका
14	Sri Pravin Babu	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
15	Dr. R. K. Srivastav	Role of Teacher in Class-Room with focus on ICT
16	Vandana Varun	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
17	Sri Manoj Kumar	Impact of ICT is Teacher Education
18	Dr. Manoj Kumar Upadhyay	Role of information Technology in Vovational Educatio
19	Sri Navin Kumar Chaubey	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव

20	Sri Niraj Tiwari	The Use and Perception of ICT in Education among students and Teacher, A case study of Shahabad Region of Bihar, India
21	Smt. Bindi Kumari	शिक्षा में सूचना और संचार प्रद्यौगिकी का प्रभाव
22	Dr. Shakti Kumar	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
23	Dr. M. L. Raju	The Impact of ICT in Teacher Education
24	Sri R. K. Vishwakarma	आधुनिक तकनीकी (आभासी कक्षा) का शिक्षा में प्रयोग
25	KumKum Devi	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
26	Sri Anjani Kumar Gupta	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
27	Sri Manoj Kumar Tiwari	शिक्षा में सूचना एवं संचार या सम्प्रेषण तकनीकी की आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
28	Khushboo Kumari	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
29	Smt. Chandani Kumari	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
30	Sri Vijay Kumar	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
31	Kuldeep dutta	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
32	Prachi Khare	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
33	Ms Deepika Dutta	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
34	Mis dimpal Kumari	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
35	Mr. Manendra Pratap Singh	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
36	Mr. Umesh Chouhan	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
37	Sri Amit Kumar	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
38	Sri Abhisekh Kumar Singh	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव
39	Mr. Pawanesh Kumar	सुचना एवं संचार संप्रेक्षण तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता महत्व एवं प्रभाव

Organiziong Committee

National Seminar

Organised by

T.N.Agrawal Teachers' Training College, Harigaon

15 Dec. 2017

Venu – Multipurpus Hall

Topic – Need Importance and Impact of ICT in Education

CHIEF PATRON

Smt. Shanti Agrawal
Founder Chairperson
T.N.A. Educational and Social Welfare Fundation, Ara, Bihar

PATRON

Sri Krishan Murair Agrawal
Founder Secretary
T.N.A.T.T.C, Harigaon, Ara

CONVENOR

Dr. M. L. Raju
Princiapl
T.N.A.T.T.C, Harigaon, Ara

CO-CONVENORS

Dr. J. L. Singh, Asst. Prof.

Smt. P.M. Jena, Asst. Prof.

CO-ORDINATORS

Dr. A. Mehta (Member Maginst Committee)

Sri Niraj Tiwari (Asst. Prof.)

ACADIMIC EXPORTS

Prof. Dr. Shanti Jain

Prof. Dr. Kamini Sinha

Prof. Dr. T. Lal

Prof. Dr. Sidheshwar Prasad Sahi

Dr. Latika Verma

SOUVENER COMMITTEE

Dr. J. L. Singh	**Convener**
Dr. R. K. Shrivastav	**Co-Convener**
Sri Niraj Tiwari	**Member**
Sri Navin Kumar Chaubey	**Member**

REGISTRAITON & CERTIFICATE COMMITTEE

Smt. P.M. Jena	Convener
Sri Abhishek Kumar Singh	Member
Smt. Bindi Kumari	Member

INVITATION COMMITTEE

Dr. M. K. Upadhyay	Convener
Mr. Vijay Kumar	Member
Smt. A. Sinha	Member
Mr. Rahul Kumar	Menber

WELCOME COMMITTEE

Sri K. M. Agrawal, Secretary

Dr. A. Mehta (Coordinater)

Mr. Niraj Tiwari (Asst. Prof.)

Smt. Anubha Sinha (Asst. Prof.)

Mr. Pawanesh Nandan (Asst. Prof.)

Smt. Bindi Kumari (Asst. Prof.)

FOOD COMMITTEE

Mr. Navin Kumar chaubey	**Convener**
Mr. Triloki nath singh	**Member**
Mr. Harendra Kumar Singh	**Member**
Mr. Ajay Kumar	**Member**

STAGE AND DECORATION COMMITTEE

Mr. Sukesh Kumar	**Convener**
Smt. Anubha Sinha	**Member**
Smt. Nilam Kumari	**Member**

TRANSPORTATION COMMITTEE

Mr. Niraj Tiwari	**Convener**
Mr.Triloki Nath Singh	**Member**
Mr. Rahul Kumar	**Member**

NATIONAL SEMINAR
on
15th December 2017

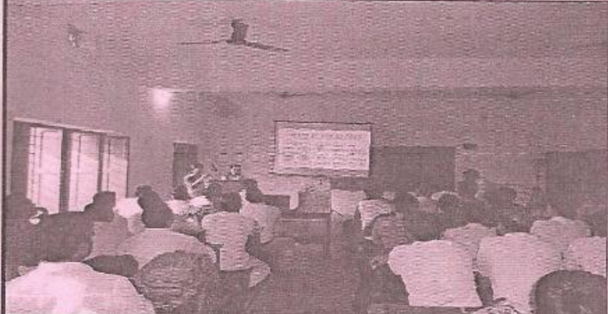

T.N.AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE(B.Ed & D.El.Ed)
HARIGAON,BHOJPUR(BIHAR)
AFFILIATED TO VKS UNIVERSITY,ARA &
BSEB,Patna

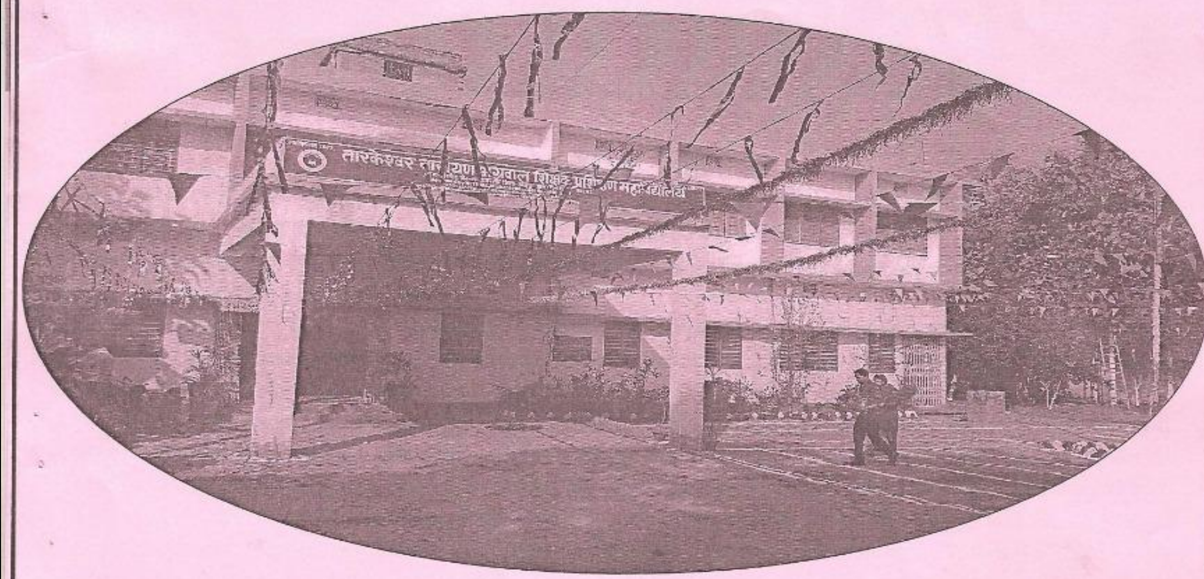

Organised by Scholarly Faculty of the college under the aegis of Secretary,T.N.A.T.T.C,Harigaon
Mob:- 9771432727

ICT as Change-agent of the Cognitive Behaviour of the Earth

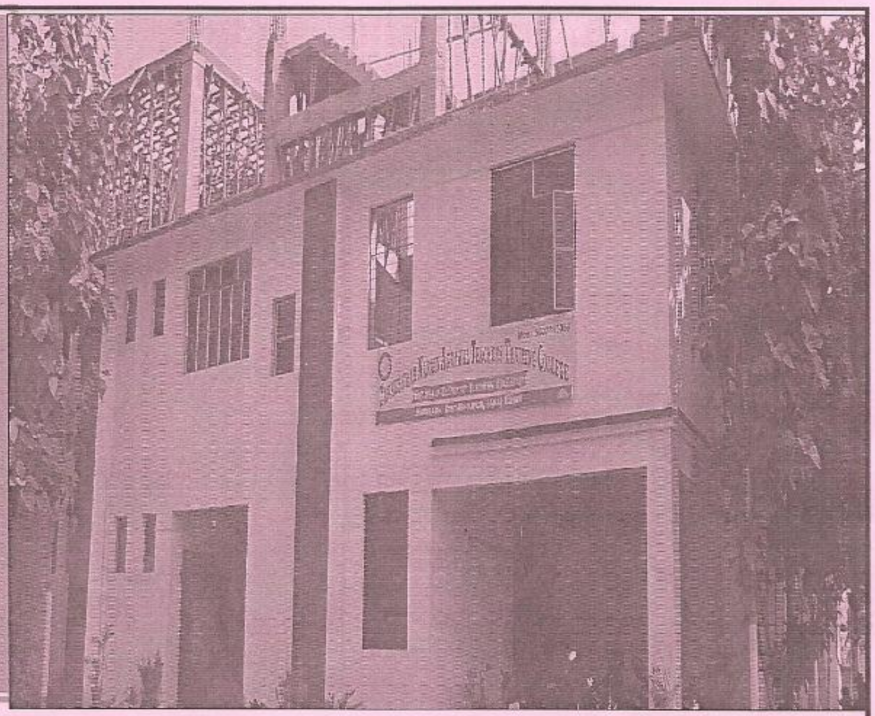

College At A Glance

T.N.A.T.T.College, Harigaon, Bhojpur, Bihar, was established in 2009, recognized by NCTE, ERC Bhubaneswar for B.Ed. Course in 2010, recognised for D.El.Ed. Course by NCTE, ERC Bhubaneswar in 2016, and affiliated in 2017 by Bihar School Examination Board, Patna.

In this college, There is strong focus on discipline, learning-teaching through Practicum, Seminars, Power-Presentation by learners, Demo by teachers, sports and Cultural activities, Educational Tours, Spoken English Classes, BTET and CTET preparation classes by experienced faculty. The college boasts for its dedicated faculty, Micro-teaching, Micro and Macro Learning and Teaching Plans, Well-furnished Operationalised laboratories to optimum level, beautiful gardening that prides over its rosy blossoms, and above all it is spearheaded by the Principal, a blessed tireless industry, and led by a young, smart, handsome, ever-jolliful and smiling, Bellwether tradesman & education-friendly Hon'ble Secretary, Sri K.M. Agrawal who has taken a solemn vow, a pious pledge to dispel the dark clouds of ignorance and illiteracy from Bhojpur district by preparing professionally proficient and competent Teacher Educators who cherish to fulfil the government's much acclaimed vision of 'Make in India' through 'Education for All', in which I.C.T will have the larger share of the pie-than all other stakeholders.

Objectives of the National Seminar

In absence of I.C.T – based education, professional competence of teachers can't be imagined, and the window of high-end technologies will be completely shut up for the learners at all levels and our government's vision of 'make In India' will turn into a pipe dream. Current researches on the impact of I.C.T on Students' achievement make it clear that the use of I.C.T has manifolded, the performance of the teachers and the students, and I.C.T has actually changed the face of the society, the destiny of the nations and cognitive behaviour of the planet. To achieve our nation's goal of 'Education for all', the use of I.C.T in Indian Schools, colleges and universities is a must, because I.C.T is nourisher of the Knowledge-hungry mind, nurturer of the wisdom-thirsty soul and caterer to the energy-sapping society.

Keeping in mind all the aforesaid exigencies in nation's and learners' interest, the following objectives have been delineated for the Seminar.

- To implement the principle of life-long learning through the I.C.T.
- To increase a variety of I.C.T-embedded educational services for the knowledge-hungry students.
- To promote equal opportunities to all for accumulating valuable information.
- To develop a system of collecting and disseminating educational information through the Research Papers of the participating Scholars in the National Seminar.
- Making interaction and Sharing of I.C.T-based ideas with the learned participants as important tools to change the face of the Teacher Education.
- Using I.C.T-based information in Inclusive Class-rooms.

THEME OF THE SEMINAR

" Need, Importance and Impact of ICT in Education"

SUB-THEMES

1. **Role of Teacher in Class-room with focus on ICT**
2. **Impact of ICT in TEACHER EDUCATION.**
3. **Role of Information Technology in Vocational Education.**
4. **Contribution of ICT in Language across The Curriculum.**
5. **Importance of ICT in Emerging Society of India .**
6. **Possibility of ICT in Inclusive Education.**
7. **Hardware as the Unavoidable Complement of Software in Education.**
8. **CALL as the 'Building Block' of Language Learning Strategies.**
9. **Other topics related to the main theme.**

INVITATION FOR 'ABSTRACTS' AND 'RESEARCH ARTICLES / PAPERS FROM THE SCHOLARS'-

Abstracts **and Research articles/ Papers are invited on any of the sub-themes or topic related to the main theme in English or Hindi. Please Send your Articles/Papers keeping in mind the following guidelines.**

ABSTRACT:- Abstract of the Paper/ Article should be submitted or sent approximately in 300 words by 25th November,2017 in hard as well as soft copy by E-mail.

Research Papers/Articles:- Last date **for receiving the full paper is 5th of December,2017, and it must be typed in double space in MS word format in Time New Roman fonts with font size of 12 for English and Kruti Dev 10 fonts with font size of 14 in case of Hindi papers. The full paper shuld be sent both in Hard and soft copies.**

The Abstract and the full papers should be sent to the college by E-mail to –
info@tnabedcollege.com; pawaneshnandan@tnabedcollege.com

REGISTRATION DETAILS

Registration fee-	Without accommodation	With accommodation
For faculty members	Rs. 700	Rs.1500
For Research scholars and students	Rs.500	Rs.800

FOR ANY ASSISTANCE PLEASE CONTACTI TO

1. Sri N.Tiwari(Assist. Professor),Mob:-7254968531.
2. Sri Pawanesh Nandan(Assist.Professor),Mob- 8539930743
3. Sri Triloki Nath Singh(Assist.),Mob-9708807610

Geographical position

The geographical position of the district Bhojpur(Bihar) could be known form the following.
: Longitude-25.466155
:Longitude- 84.5222189
:Elevation/Altitude:- 67 meters, above see level
:Max- 24°C
:Min- 10°C

Route-map for reaching the college premises: The venue of Seminar.Ara to Mohania(NH30) Ara Railway Station to Harigaon 13 Km (Thirteen Kilometers). Shuttle taxies are available from Ara Railway station at every 15 minutes interval.

Organizing Luminaries

Chief Patron

Smt Shanti Agrawal
Founder Chairperson,
T.N.A.Educational and Social Welfare Foundation,Ara,Bihar

Patron

Sri Krishna Murari Agrawal,
Founder Secretary,
T.N.A.T.T.College,Harigaon,Bhojpur,Bihar

Leading luminary light of Seminar:

Smt. Anita Krishna,
Funder Chairperson,
T.N.A.T.T. College, Harigaon

Convenor:

Dr. M.L. Raju,
Principal,
T.N.A.T.T. College, Harigaon

Co-Convenors:

Dr. J.L. Singh,
Assist. Prof.
Mrs. P.M. Jena,
Assist. Prof.

Co-Ordinators:

Dr. A. Mehta,
Member, Managing Committee,
T.N.A.T.T. College, Harigaon
Mr. Niraj Tiwari
Assist. Prof.

Academic Experts:

Prof. Dr. Shanti Jain
Prof. Dr. Kamini Sinha
Prof. Dr. T. Lal
Prof. Dr. Sidheshwar Prasad Shahi (P.U)
Prof. Dr. Latika Verma
Prof. Dr. Krishna Murari Agrawal

Welcome committee:

Mr. K.M. Agrawal, Secretary & Patron
Dr. A. Mehta, Coordunaotr
Mrs. Anubha Sinha (Assist. Prof.)
Mr. Niraj Tiwari (Assist Prof.)
Mr. Pawanesh Nandan (Assist. Prof.)
Mrs. Bindi Kumari (Assist. Prof.)

Registraton Form
for
NATIONAL SEMINAR

ON

"Need, Importance and Impact of ICT in Education"

T.N.AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE,HARIGAON

At-Harigaon,PO- Sancya Brahatta,PS-Jagdishpur,Dist-Bhojpur,Bihar,Pin Code-802162

Name ……………………………………………………………………

Gender ……………………………………….Age …………………

Designation ……………………………………………………………

Mailing Address ………………………………………………………..

……………………………………………………………………………

State ………………………………… Pin Code …………………………

Mob. No. …………………………… Phone No. ………………………

Email Id …………………………………………………………………

Accommodation : YES/NO

Bank A/C No : **68652100000044 (Madhya Bihar Gramin Bank),Harigaon**

Account Holder Name : **TN AGRAWAL TEACHERS TRAINING COLLEGE**

IFSC Code : PUNB0MBGB06

Registration can be done through NEFT/RTGS in the given Bank Details.

Date:- …………../December 2017 Signature